गुर प्रसाद सब जानिअ राजा। कहिअ न आपन जानि अकाजा।।
मख रखवारि करि दुहुं भाइ। गुरू प्रसाद सब बिद्या पाइ।।
सहित समाज तुम्हार हमारा। घर बन गुर प्रसाद रखवारा।।
|| मानस गुरूप्रसाद || Ram Katha 982- Harvard-Massachusetts, USA || *मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 12 अंक : 28 | इंदौर, मंगलवार 18 अगस्त, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

एमपी के भिंड में दर्दनाक हादसा

तेज रफ्तार पिकअप डंपर से टकराई, आठ की मौत और 26 घायल

भिंड। भिंड-ग्वालियर रोड पर छीमका गांव के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 26 लोग घायल बताए जा रहे हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार पिकअप को डंपर से टकरा गई। दर्दनाक हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को 108 एंबुलेंस और पुलिस वाहनों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहद पहुंचाया गया।

आठ लोगों की मौत व 26 घायल

हादसे में आठ लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है, जबकि 26 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर है। गोहद अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए ग्वालियर रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल, एसडीओपी महेंद्र गौतम समेत चौराहा, गोहद और एंडोरी थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के साथ ही घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस हादसे की वजह पता लगाने में जुटी है। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। साथ ही मृतकों की पहचान और हादसे से जुड़ी अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

झारखंड के आंदोलनकारियों का अनशन समाप्त

● CBI जांच क्यों नहीं करा रही सरकार, मंत्री दीपिका पांडे के तर्क क्या?

रांची, (एजेंसी) झारखंड सरकार में मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने छात्र नेताओं का अनशन समाप्त करवाने के बाद मीडिया से कहा, झारखंड में शुरू हुए महत्वपूर्ण छात्र आंदोलन, विशेष रूप से सुधारों से संबंधित आंदोलन के प्रति सरकार हमेशा से संवेदनशील रही है। मुख्यमंत्री आंदोलन की गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहे हैं और राहुल गांधी ने भी लगातार छात्रों के हितों की वकालत की है।

निष्पक्ष जांच का वादा, IAS अमिताभ कौशल की समिति क्या करेगी?

बकौल दीपिका पांडे सिंह, 'आज हम आंदोलनकारियों को धन्यवाद देना चाहते हैं। आपने राज्य और छात्रों दोनों के हित में शांतिपूर्ण और रचनात्मक तरीके से जो आंदोलन चलाया, वह अब अत्यंत गरिमापूर्ण ढंग से समाप्त हो रहा है। सरकार ने आपकी सभी मांगों को मान लिया है और हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि जांच निष्पक्ष होगी; किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा... मुख्यमंत्री ने आईएएस अधिकारी अमिताभ कौशल की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की घोषणा पहले ही कर दी है। सभी हितधारकों से परामर्श के बाद झारखंड के छात्रों की तरफ से प्रस्तावित सुधारों का मसौदा तैयार किया जाएगा। इससे एक ऐसा मॉडल बनेगा जिसका पूरा देश अनुकरण करेगा।'

● 'मप्र में निवेश का माहौल बदल चुका है' सीएम मोहन यादव बोले-

दुनिया भर के निवेशकों की नजर मध्यप्रदेश पर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। एमपी में निवेश और उद्योगों को लेकर बड़ी तस्वीर सामने आई है। नई दिल्ली में NICDIT की बैठक में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सरकार ने निवेशकों का भरोसा जीता है, जिसके चलते बड़ी संख्या में निवेशक MP का रुख कर रहे हैं। PM मित्र पार्क और GIS के निवेश प्रस्तावों से प्रदेश में औद्योगिक विकास और रोजगार को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री यादव ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट (NICDIT) की एपेक्स मॉनिटरिंग अथॉरिटी की तीसरी बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ने उद्योग और निवेश के क्षेत्र में मजबूत पहचान बनाई है। नई दिल्ली में NICDIT की तीसरी एपेक्स मॉनिटरिंग अथॉरिटी बैठक में उन्होंने कहा कि निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और बड़ी संख्या में निवेशक अब मध्यप्रदेश का रुख कर रहे हैं।

बैठक में केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिरी सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उद्योग मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

निवेशकों का भरोसा जीतने में सफल रहा MP

मुख्यमंत्री डॉ. यादवने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया गया है। सरकार ने उद्योग जगत का विश्वास जीतने में सफलता हासिल की है और यही वजह है कि बड़ी संख्या में निवेशक मध्यप्रदेश की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

PM मित्र पार्क से टेक्सटाइल सेक्टर को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए चल रही प्रमुख परियोजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने PM मित्र पार्क को प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री के मुताबिक इस परियोजना से प्रदेश के टेक्सटाइल क्षेत्र को नई गति मिलेगी। साथ ही किसानों, युवाओं और उद्योगों के लिए रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर पैदा होंगे।

GIS के 30% प्रस्ताव जमीन पर उतारने की तैयारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS) में मिले निवेश प्रस्तावों में से करीब 30 प्रतिशत प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की दिशा में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इसे निवेशकों के बढ़ते भरोसे का प्रमाण बताया। सरकार का कहना है कि निवेशकों के लिए प्रक्रियाओं को आसान बनाने और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत करने पर लगातार काम किया जा रहा है।

टेक्सटाइल से फार्मा तक निवेश की संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, कृषि आधारित उद्योग और MSME समेत कई क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। सरकार का लक्ष्य केवल निवेश लाना नहीं, बल्कि उससे स्थानीय स्तर पर रोजगार, कौशल विकास और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना भी है।

सीएम हेल्पलाइन के प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से अटेंड कर समय-सीमा में करे निराकृत -कलेक्टर श्री वर्मा ने दिये निर्देश

लापरवाही पर अधिकारियों-कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

● समय सीमा के पत्रों के निराकरण (टी. एल.) की बैठक सम्पन्न

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय में समय-सीमा के पत्रों के निराकरण (टी. एल.) संबंधी बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों , सीएम हेल्पलाइन, राजस्व प्रकरणों सहित शासन की रोजगारमूलक एवं कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आम नागरिकों से संबंधित प्रकरणों का संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक आवेदन को अनिवार्य रूप से अटेंड करते हुए उसके निराकरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने अथवा निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में विभाग से संबंधित जानकारी संतुष्टिपूर्वक प्रस्तुत नहीं करने पर वन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी श्री सुभाष शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि टी.एल. बैठक में मांगी गई जानकारी अद्यतन एवं तथ्यात्मक रूप से प्रस्तुत की जाए तथा विभागीय अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित लंबित मामलों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करें।

बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रिंकेश वैश्य, श्री रोशन राय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन की विस्तृत समीक्षा

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से अटेंड किया जाए और शिकायतकर्ता से आवश्यकतानुसार संपर्क कर उसकी समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। केवल औपचारिक रूप से शिकायत बंद नहीं की जाए, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने विभाग में लंबित शिकायतों की नियमित समीक्षा करें और समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर सहायक श्रमायुक्त श्री डी.पी. सिंह सहित एक अन्य कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी किये गए। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश

कलेक्टर श्री वर्मा ने समय-सीमा में राजस्व प्रकरणों का निराकरण नहीं किए जाने पर तहसीलदार श्री अनिल पटेल को भी शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरुस्ती सहित अन्य राजस्व मामलों में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने राजस्व निरीक्षक वृत्तवार आयोजित किए जा रहे विशेष राजस्व शिविरों की प्रगति की भी समीक्षा की तथा निर्देश दिए कि शिविरों में अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को लाभान्वित किया जाए और प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

रोजगारमूलक एवं कल्याणकारी योजनाओं के लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति के निर्देश

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने रोजगारमूलक एवं कल्याणकारी योजनाओं के तहत निर्धारित लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। विभागीय अधिकारी पात्र हितग्राहियों की पहचान, आवेदन प्रक्रिया और स्वीकृति से लेकर योजना का लाभ मिलने तक की पूरी प्रक्रिया की नियमित निगरानी करें।

फायर सेफ्टी एवं बेसमेंट पार्किंग व्यवस्था की समीक्षा

कलेक्टर श्री वर्मा ने जिले में फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं तथा बेसमेंट में पार्किंग व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवनों में अग्नि सुरक्षा मानकों का प्रभावी पालन सुनिश्चित कराया जाए। फायर सेफ्टी से संबंधित लंबित कार्रवाई को प्राथमिकता से पूर्ण करें और जहां कमियां पाई जाएं, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने बेसमेंट का उपयोग निर्धारित मानकों के अनुरूप पार्किंग के लिए सुनिश्चित कराने तथा अनियमितताओं पर कार्रवाई की गति तेज करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने 'जन विश्वास अभियान' की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक शुक्रवार को गांव-गांव में आयोजित होने वाले शिविरों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए। शिविरों में ग्रामीणों की समस्याओं एवं मांगों को मौके पर सुनकर संबंधित विभागों द्वारा यथासंभव त्वरित निराकरण की कार्यवाही की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों में अधिक से अधिक ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए शासन की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी तथा पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने की कार्यवाही प्राथमिकता से की जाए। कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि टी.एल. बैठक में दिए गए निर्देशों का गंभीरता से पालन करें और आगामी बैठक तक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं और नागरिक सेवाओं से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हंसदास मठ पर हंसेश्वर महादेव का नागचंद्रेश्वर के रूप में किया गया श्रृंगार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एरोड्रम रोड, पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर श्रावण के तीसरे सोमवार एवं नाग पंचमी के अवसर पर हंसेश्वर महादेव का नागचंद्रेश्वर के रूप में आकर्षक और मनोहारी श्रृंगार किया गया जिसके दर्शनार्थ देर शाम तक मठ परिसर में भक्तों का मेला जुटा रहा। झांकी में उज्जैन के इकलौते नागचंद्रेश्वर मंदिर में स्थापित प्रतिमा के रूप में यहाँ भी भगवान नागचंद्रेश्वर का श्रृंगार किया गया। महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज ने बताया कि मठ पर विद्वान पंडितों ने हंस पीठाधीश्वर श्रीमहंत स्वामी रामचरणदास महाराज के सानिध्य में श्रावण मास के उपलक्ष्य में तीसरे सोमवार को हंसेश्वर महादेव का सूखे मेवे, फूलों, पत्तियों एवं सुगंधित द्रव्यों से नागचंद्रेश्वर भगवान के रूप में मनोहारी श्रृंगार किया। सुबह विद्वान आचार्यों द्वारा अभिषेक, पूजन के अनुष्ठान किए गए। इस अवसर पर मठ स्थित सभी देवालयों का आकर्षक श्रृंगार भी किया गया। मठ पर दिनभर भक्तों द्वारा पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता रहा। संध्या को हंसेश्वर महादेव का श्रृंगार दर्शन करने के लिए भक्तों का मेला जुटा रहा। मठ स्थित सभी देवालयों का मनोहारी पुष्प श्रृंगार देखने के लिए देर रात तक भक्तों की आवाजाही बनी रही। फलाहारी प्रसाद का वितरण भी किया गया।

15 दिन बाद भी नहीं मिल सकी मां की पहचान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। 'प्रेमाश्रय' वृद्धाश्रम पर कार्रवाई के बाद मां से अलग हुआ एक साल का मासूम अब भी अपनी मां से मिलने का इंतजार कर रहा है। महिला की पहचान और उसके परिवार की जानकारी जुटाने में करीब 15 दिन बाद भी पुलिस को सफलता नहीं मिली है। फिलहाल बच्चा एक एनजीओ की देखरेख में है, जबकि उसकी मां दूसरे आश्रय गृह में रह रही है।

मामले में बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) ने पुलिस और महिला एवं बाल विकास विभाग से रिपोर्ट मांगी है। महिला की मानसिक और शारीरिक स्थिति का आकलन करने के लिए मेडिकल बोर्ड से जांच भी कराई जाएगी। इसके अलावा सोशल इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट (एसआईआर) तैयार की जाएगी। इन दोनों रिपोर्ट के आधार पर तय होगा कि महिला बच्चे की देखभाल और सुरक्षित परवरिश करने की स्थिति में है या नहीं। पुलिस को पता लगाना है कि करीब एक साल पहले महिला कैलोद क्षेत्र में किन परिस्थितियों में मिली थी।

संस्था "आदित्य "के आयोजन को मिला "सोशल इम्पेक्ट क्रिएविटी " अवार्ड...

● आयोजकों ने अवार्ड प्रधानमंत्री व कैबिनेट मंत्री के महाअभियान `एक पेड़ माँ के नाम`की टीम को समर्पित किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सामाजिक, शैक्षिक व राष्ट्रीयता की भावना में सदैव अग्रसर रहने वाली संस्था 'आदित्य 'ने गत दिनों अपने दसवें आयोजन के अंतर्गत 'भव्य पत्रकार व प्रतिभा सम्मान समारोह 'धार रोड स्थित कीमती गार्डन में आयोजित किया था। जिसमें वरिष्ठ पत्रकारों को कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव,सोशल वर्कर श्रीमती जूही भार्गव, उज्जैन प्रेस क्लब अध्यक्ष व मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के बड़े भ्राता नंदू जी यादव व महाकाल मंदिर के प्रमुख पुजारी रमण त्रिवेदी ने सम्मानित कर उन्हें प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह देकर व भगवान श्रीकृष्ण का उपरना पहना कर सम्मानित किया तथा इस कार्यक्रम में मुंबई की बॉलीवुड मिस्टर &मिसेस इंडिया की विनर सुमन त्रिपाठी, फेमस टीवी एक्ट्रेस राशिका नीमा व भोपाल से पधारी दूरदर्शन की प्रमुख न्यूज एंकर व जर्नलिस्ट सुमिता सिरोठिया को 'एम पी वूमंस प्राइड अवार्ड से व रचना महंत को बिजनेस वूमन सम्मान से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। संस्था संयोजक सचिन नीमा ने जानकारी देते हुए बताया की इस आयोजन में नन्हे मुन्ने बच्चों के साथ भारतीय नृत्य व कत्थक नृत्य पर भी प्रतिभागियों द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गयी इन्ही सारी विधाओं के मिश्रण व कुछ नया प्रयोग हेतु ही संस्था को 'सोशल इम्पेक्ट क्रिएविटी अवार्ड ''हेतु चुना गया।कार्यक्रम में प्रदेश के उम्दा कलाकारों द्वारा गायन व वादन की प्रस्तुति भी बहुत प्रभावी रही। वरिष्ठ पत्रकार व युवा समाजसेवी महावीर जैन का इस अवसर पर नागरिक अभिनंदन किया गया वही वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश फरक्या,गिरीश कोपरगांवकर व पंवार साहब को पत्रकारिता में विशेष योगदान हेतु पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर भारतीय सेना से रिटायर्ड सैनिक जितेंद्र जी मोर्य को भी 'राष्ट्र गौरव सम्मान 'से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के महाअभियान 'एक पेड़ माँ के नाम ' औऱ प्रदेश में इस अभियान में बढ़चढ़ भाग लेकर 21 लाख पौधे लगाने वाले कैबिनेट मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय जी की टीम को संस्था 'आदित्य' ने अवार्ड समर्पित किया। कार्यक्रम में विशेष योगदान ज्योति नामदेव,रेणु सोलंकी,साधना सिंह का रहा।कार्यक्रम को सफल बनाने में विनोद निगम,अमर गोमे,भरत राठौर, मनीष शिंदे, प्रवीण मोर्य,रूपेश वर्मा,सोनू मालवीय,उमेश पांडे,शिवेंद्र रोहित,संदीप सूर्यवंशी, सुरेश वर्मा,दिलीप मोर्य का सहयोग रहा।

64 लाख की 4 फायर बाइक बुझाएगी आग

तंग गलियों में साबित होगी कारगर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। आगजनी की घटनाओं पर अब फायर ब्रिगेड की बड़ी गाड़ियों के साथ फायर बाइक भी तेजी से मोर्चा संभालेंगी। नगर निगम के अग्निशमन बेड़े में 4 अत्याधुनिक फायर बाइक शामिल की गई हैं।

करीब 16 लाख रुपए कीमत वाली प्रत्येक बाइक पर लगभग 64 लाख रुपए खर्च हुए हैं। इन्हें खास तौर पर इस तरह मॉडिफाई किया गया है कि संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाले बाजारों में भी आसानी से पहुंचकर आग पर काबू पाया जा सके। इन बाइकों को शहर के अलग-अलग हिस्सों में तैनात किया जाएगा। रविवार को ही मुख्यमंत्री ने इन्हें हरी झंडी दिखाई थी। निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल के मुताबिक, आकस्मिक अग्नि दुर्घटनाओं में बड़े फायर वाहनों के पहुंचने में लगने वाले समय को कम करने के लिए इनका

इस्तेमाल किया जाएगा। शहर के कई हिस्सों में सड़कें और गलियां इतनी संकरी हैं कि बड़े फायर वाहन आसानी से घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाते। खासकर छप्पन दुकान, सराफा बाजार और अन्य व्यस्त बाजार क्षेत्रों में आग लगने पर शुरुआती मिनटों में कार्रवाई बेहद महत्वपूर्ण होती है। ऐसे स्थानों पर फायर बाइक तेजी से पहुंचकर आग को शुरुआती स्तर पर नियंत्रित करने में मदद करेगी। फायर बाइक में 40 लीटर तक पानी और 4 लीटर फोम रखने की सुविधा है। खास बात यह है कि जरूरत पड़ने पर आसपास मौजूद बोरिंग, कुएं, बावड़ी, नदी-नाले, तालाब या अन्य जलस्रोतों से भी पानी लेकर इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। डेवलपर बी.एल. टोंगल और इंजीनियर शैलेंद्र नागर के मुताबिक, पानी की उपलब्धता बनी रहे तो मशीन को लंबे समय तक लगातार चलाया जा सकता है। बीएस टोंगल के मुताबिक, बाइक में हाई प्रेशर वाटर मिस्ट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। पानी बेहद छोटे कणों के रूप में निकलने के कारण कम मात्रा में पानी का इस्तेमाल कर आग को तेजी से नियंत्रित करने का दावा किया गया है। इससे आग को शुरुआती स्तर पर तेजी से नियंत्रित किया जा सकता है। इंजीनियर और डेवलपर शैलेंद्र नागर ने बताया कि बाइक को मॉडिफाई कर उसके इंजन की पावर से पीटीओ (पावर टेक ऑफ) के जरिए फायर पंप को चलाया जाता है। इस तकनीक को इंदौर में ही विकसित किया गया है। इसका कॉम्पैक्ट आकार इसे उन जगहों के लिए उपयोगी बनाता है, जहां सामान्य फायर वाहन पहुंचने में परेशानी होती है।

रेस्टोरेंट कर्मचारी की हत्या का आरोपी पकड़ाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बाणगंगा इलाके में रविवार रात एक रेस्टोरेंट कर्मचारी की उसके ही मालिक के बेटे ने रॉड और हथियार से हमला कर हत्या कर दी। दोनों के बीच रुपए को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इधर, परिजन ने मृतक का शव दीपमाला ढाबे के यहां रखकर प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोपी को फांसी की सजा देने और मुआवजा दिलाने की मांग की है। डीसीपी अभिषेक रंजन ने बताया कि 55 वर्षीय श्रीराम की हत्या के मामले में आरोपी राहुल भाटी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

उसने हत्या के बाद भागने की कोशिश की थी, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। दोनों के बीच दो माह की सैलरी को लेकर कहासुनी हुई थी। आरोपी मृतक को रुपए देने के बहाने दुकान से अपने साथ ले गया था। बाणगंगा पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद श्रीराम का शव परिवार को सौंप दिया। परिवार शव को लेकर दीपमाला ढाबे के यहां पहुंचा। यहां राहुल को कड़ी सजा देने के साथ ही श्रीराम के परिवार ने मुआवजे की मांग की। परिजनों ने सड़क पर जाम कर दिया। सूचना के बाद वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिवार से जाम खुलवाने को लेकर बातचीत की।

2 करोड़ के प्लॉट पर धोखाधड़ी

60 लाख रुपए बयाना लेकर नहीं लौटाए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। विजयनगर पुलिस ने करीब 2 करोड़ रुपए के एक भूखंड के सौदे में 60 लाख रुपए की बयाना राशि वापस नहीं करने के मामले में धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक व्यापारी ने भूखंड के सौदे के लिए करीब 60 लाख रुपए दिए थे। सौदा करने वाले व्यक्ति की मौत के बाद उसके बेटे ने सौदा निरस्त होने पर 2 प्रतिशत ब्याज के साथ बयाना राशि लौटाने की बात कही, लेकिन बाद में वह अपने वादे से मुकर गया।

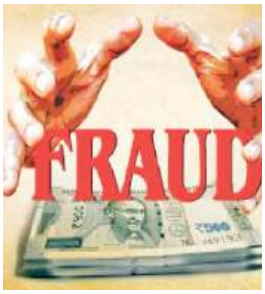

विजयनगर पुलिस ने सुनील चौकसे की शिकायत पर पंकज पुत्र भेरूलाल पोरवाल, निवासी उषानगर एक्सटेंशन के खिलाफ सोमवार को धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक पंकज के पिता भेरूलाल ने इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना के एक प्लॉट का सुनील चौकसे से सौदा किया था। अक्टूबर 2024 में इसके लिए अनुबंध किया गया था। सौदे के तहत 60 लाख रुपए बयाना राशि के रूप में दिए गए थे। इनमें 50 लाख रुपए चेक से और 10 लाख रुपए नकद दिए गए। बाकी राशि रजिस्ट्री के समय देने की बात तय हुई थी। इसके लिए लक्ष्मण नगर गृह निर्माण संस्था का फॉर्म भी भरवाया गया था। अनुबंध के करीब चार महीने बाद भेरूलाल का निधन हो गया। इसके बाद भूखंड की रजिस्ट्री और बाकी भुगतान को लेकर मामला अटक गया। पंकज लगातार रजिस्ट्री और भूखंड आवंटन को लेकर टालमटोल करता रहा। इसके बाद मार्च 2026 में पंकज ने दोबारा नया अनुबंध किया। इसमें तय हुआ कि तीन महीने में भूखंड का आवंटन नहीं होने पर 60 लाख रुपए की बयाना राशि 2 प्रतिशत ब्याज के साथ वापस कर दी जाएगी। हालांकि, तीन महीने की अवधि बीतने के बाद भी न तो भूखंड का आवंटन कराया गया और न ही सुनील चौकसे की 60 लाख रुपए की राशि वापस की गई। इसके बाद सुनील चौकसे ने डीसीपी जोन-2 को लिखित शिकायत दी। शिकायत की जांच के बाद विजयनगर पुलिस ने पंकज पोरवाल के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

होटल रेटिंग के नाम पर 5.34 लाख की ठगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हीरानगर थाना क्षेत्र में एक आईटी इंजीनियर ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गया। आरोपियों ने होटल और रेस्टोरेंट को रेटिंग देने के नाम पर भरोसे में लिया और तीन दिनों में उसके बैंक खाते से 5 लाख 34 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। शिकायत के बाद हीरानगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सोमवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लवकुश विहार निवासी लव जैन एक IT कंपनी में काम करते हैं। लव के मुताबिक, 3 अगस्त को उनके मोबाइल पर टेलीग्राम के जरिए एक मैसेज आया था। इसमें बताया गया कि बताए गए होटल और रेस्टोरेंट को रेटिंग देने पर रोज 3,000 से 5,000 रुपए तक कमाई हो सकती है। इसके बाद आरोपियों ने एक लिंक भेजी और रेटिंग से जुड़ा टास्क पूरा करने को कहा। शुरुआत में टास्क पूरा करने पर लव के खाते में 150 रुपए भेजे गए। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें एक दूसरे टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ लिया। ठगों ने लव से कहा कि रेटिंग से मिलने वाले पैसों को शेयर मार्केट में लगाकर और कमाई की जा सकती है। इसके बाद उन्होंने कई विकल्प बताए और एक नया अकाउंट खोल दिया। इसमें कमाई और जमा रकम USDT के रूप में दिखाई जाने लगी। शुरुआत में 1,000 रुपए लगाने पर लव को 1,300 रुपए वापस मिले। इसके बाद 3,000 रुपए लगाने पर कोई पैसा वापस नहीं आया। आरोपियों ने कहा कि पूरा पैसा कमाई के साथ वापस लेने के लिए 12,000 रुपए और जमा करने होंगे। इसके बाद अलग-अलग तरह की बातें बताकर लव से 23 से ज्यादा बार पैसे ट्रांसफर कराए गए। इस तरह कुल 5 लाख 34 हजार रुपए जमा करा लिए गए। जब लव ने खाते में पैसे खत्म होने की बात कही और अपनी कमाई वापस मांगी, तो आरोपियों ने उसका अकाउंट बंद कर दिया। इसके बाद कहा कि कमाई के पैसे निकालने के लिए उसे और रुपए जमा करने होंगे। इसके बाद लव को समझ आया कि उसके साथ ठगी हुई है। उसने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की। हीरानगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यदि आप साहस और निर्भीकता के साथ 'खोजी पत्रकार' के रूप में कार्य करना चाहते है...
अपने आसपास के भ्रष्टाचार-अपराध-अव्यवस्थाओं को उजागर करना चाहते है...
तो आइए हमारे समाचारपत्र/न्यूज वेबपोर्टल/यूट्यूब चैनल के साथ 'क्राइम रिपोर्टर' के रूप में कार्य करे।
★★★★★
कृपया हमारी वेबसाइट पर जाकर खुद को रजिस्टर्ड करे। या फिर हमें आपका पूरा बॉयोडाटा मेल करे
www.dgr.co.in
www.detectivegroupreport.com
detectivegroupreport@gmail.com
(आपके सुझाव/लेख/न्यूज़/सूचना का सदैव स्वागत है।)

‘कवच’ बनी मध्यप्रदेश सरकार फिर खुला संस्थागत ऋण का रास्ता

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। अन्नदाता किसान हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इसलिए किसान को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए खेत से बाजार तक कृषि मूल्य संवर्धन श्रृंखला को सुदृढ़ करने, सिंचाई क्षमता बढ़ाने, आधुनिक एवं उन्नत कृषि तकनीक सहित प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहन और संस्थागत वित्त की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रदेश में निरंतर काम हो रहा है।

किसानों के हित में ‘कवच योजना’ राज्य सरकार की एक बड़ी पहल है। किसान की मेहनत का सम्मान हो, उनकी खेती-किसानी मजबूत हो और उसे आर्थिक सुरक्षा का भरोसा भी मिले, ‘कवच योजना’ इसी संकल्प को धरातल पर उतारने वाला कदम है। इस योजना का उद्देश्य प्रभावित किसानों को राहत देने के साथ उन्हें फिर से सहकारी बैंकिंग प्रणाली एवं ऋण व्यवस्था की मुख्यधारा में लाना है, ताकि वे अपनी कृषि गतिविधियों को निर्बाध रूप से आगे बढ़ा सकें और सरकार की योजनाओं का लाभ भी प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसान कल्याण वर्ष (2026) में लिया गया यह महत्वपूर्ण निर्णय प्रदेश के उन हजारों किसानों के लिए नई उम्मीद की तरह है, जिनके लिए लंबित जांच के कारण नये ऋण प्राप्ति का रास्ता बाधित हो गया था। अब ‘कवच योजना’ उनके लिए आर्थिक गतिविधियों को पुनः गति देने और संस्थागत वित्त व्यवस्था से फिर से जुड़ने का माध्यम भी बनेगी।

योजना को कब मिली मंजूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में 4 अगस्त 2026 को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में किसान हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सहकारिता विभाग की ‘कवच योजना’ को मंजूरी दी गई है। राज्य सरकार वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। किसानों की आमदनी बढ़ाना, उनका सम्मान एवं आर्थिक सुरक्षा सरकार की प्राथमिकताओं में है।

किन्हें मिलेगा लाभ

कवच योजना से सहकारी समितियों से जुड़े ऐसे लगभग 5 हजार किसान लाभान्वित होंगे, जिनके ऋण खातों में हुई गड़बड़ियों की जांच लंबित रहने के कारण वे शासकीय योजनाओं और नई ऋण सुविधा का लाभ नहीं ले पा रहे थे। सरकार किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह सुनिश्चित कर रही है कि किसी प्रक्रिया अथवा जांच के लंबित रहने का प्रतिकूल प्रभाव किसान की खेती और आजीविका पर अनिश्चितकाल तक न पड़े। इसी भावना के अनुरूप ‘कवच योजना’ के जरिए प्रभावित किसानों को पुनः मुख्यधारा में लाकर उन्हें संस्थागत ऋण व्यवस्था से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। योजना के अंतर्गत प्रभावित किसानों को नया ऋण उपलब्ध कराने का रास्ता बनाया जाएगा। इसके लिए अपेक्स बैंक और जिला सहकारी बैंक अपने स्तर पर 50 करोड़ रुपये की सीमा तक विशेष निधि का निर्माण करेंगे। किसान हित में राज्य सरकार द्वारा 25 करोड़ रुपये की एकमुश्त अंशपूंजी सहायता उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया है।

योजना का उद्देश्य

राज्य सरकार की किसान कल्याण नीति का मूल उद्देश्य किसान को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना और उसकी मेहनत को सुरक्षित वित्तीय आधार उपलब्ध कराना है। सरकार का प्रयास है कि किसान को समय पर ऋण, कृषि आदान और उनके हित की सभी योजनाओं का लाभ मिले, ताकि खेती-किसानी की गतिविधियां कतई बाधित न हों। यह योजना संस्थागत कृषि ऋण किसान की खेती के लिए महत्वपूर्ण आधार है। समय पर ऋण उपलब्ध होने से किसान बीज, खाद, कृषि यंत्र, सिंचाई तथा अन्य आवश्यक कृषि गतिविधियों के लिए आवश्यक पूंजी की व्यवस्था कर सकता है। इससे किसानों को महंगे कर्ज पर निर्भरता से बचाने में भी मदद मिलती है।

13 नवम्बर तक चलेगा बलराम कृषि महोत्सव

किसान कल्याण वर्ष-2026 में किसानों के जीवन में खुशहाली लाने और उनके घरों में समृद्धि लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा सभी प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय कृषि के आदि पुरूष, भूमि पुत्र और हलधर भगवान बलराम किसानों के आदि देवता हैं। अन्नदाता किसानों के सम्मान में राज्य सरकार के मार्गदर्शन में प्रदेश के सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव मनाया जा रहा है। यह महोत्सव 15 जुलाई से प्रारंभ हो गया है, जो 13 नवम्बर 2026 तक चलेगा। कुल 122 दिन के इस बलराम कृषि महोत्सव में प्रदेश की सभी कृषि उपज मंडी परिसरों में विभागीय अधिकारियों द्वारा किसानों से संवाद किया जा रहा है।

मप्र के शिवालयों में जन सैलाब महाकाल की राजसी सवारी

14.43 लाख ने किए दर्शन; ओंकारेश्वर में नौका विहार, भिलटदेव का 101 लीटर दूध से अभिषेक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। सावन के तीसरे सोमवार और नागपंचमी पर मध्य प्रदेश के प्रमुख शिवधामों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। उज्जैन में बाबा महाकाल प्रजा का हाल जानने नगर भ्रमण पर निकले। राजसी सवारी में चंद्रमौलेश्वर पालकी में, मनमहेश हाथी पर और शिव-तांडव प्रतिमा गरुड़ रथ पर विराजमान दिखे।

ओंकारेश्वर में बाबा ओंकारेश्वर-ममलेश्वर की सवारी निकली और बाबा ममलेश्वर ने नौका विहार किया। आगर मालवा में बाबा बैजनाथ का नागभूषण स्वरूप में श्रृंगार किया गया, जबकि पचमढ़ी में नागद्वारी यात्रा पूरी करने के बाद श्रद्धालु 1300 से ज्यादा खड़ी सीढ़ियां चढ़कर चौरागढ़ पहुंचे।

उज्जैन में 14.43 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन- उज्जैन में रात्रि 9 बजे तक की स्थिति में 10 लाख 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान श्री नागचंद्रेश्वर और 4 लाख 23 हजार से अधिक श्रद्धालु महाकालेश्वर के दर्शन किए हैं। वहीं, बाबा महाकाल की तीसरी सवारी में 6 लाख से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए।साल में सिर्फ एक बार खुलने वाले नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट रविवार रात 12 बजे खोले गए, जो सोमवार रात 10 बजे तक खुले रहे। महाकाल मंदिर के पट तड़के 2:30 बजे खोले गए थे।उज्जैन में सावन के तीसरे सोमवार और नागपंचमी पर बाबा महाकाल की राजसी सवारी निकली। इसमें चंद्रमौलेश्वर पालकी में, मनमहेश हाथी पर और शिव-तांडव प्रतिमा गरुड़ रथ पर विराजमान थे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ सवारी के दर्शन के लिए उमड़ी है। महाकाल मंदिर के पट तड़के 2:30 बजे खोले गए। नागपंचमी पर साल में एक बार खुलने वाले नागचंद्रेश्वर मंदिर में भी श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगीं रहीं।

ओंकारेश्वर में बाबा ममलेश्वर ने किया नौका विहार- तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में बाबा ओंकारेश्वर-ममलेश्वर की सवारी निकाली गई। इस दौरान बाबा ममलेश्वर ने नौका विहार किया। इसके बाद बाबा ममलेश्वर ओंकार क्षेत्र के बाजार में पहुंचे और वहां के निवासियों व श्रद्धालुओं का हाल जाना। यह विशेष संयोग साल में एक बार आता है, जब बाबा ममलेश्वर ओंकार क्षेत्र के बाजार में पहुंचते हैं। यहां वे नगर भ्रमण करते हैं। सवारी के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और पूरा क्षेत्र भक्ति के रंग में नजर आया।

आगर में नागभूषण स्वरूप में सजे बाबा बैजनाथ- आगर मालवा के प्रसिद्ध बाबा बैजनाथ महादेव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार और नागपंचमी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। बाबा बैजनाथ का नागभूषण स्वरूप में मनमोहक श्रृंगार किया गया। इसके दर्शन के लिए दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंचे। ग्रामीण क्षेत्रों से कांवड़ यात्राएं बैंड-बाजे और ढोल की थाप के साथ मंदिर पहुंचीं। कांवड़ियों ने हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए बाबा का जलाभिषेक किया। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने व्यवस्थाएं संभालीं।

पचमढ़ी में नागद्वारी यात्रा के बाद चौरागढ़ पहुंचे श्रद्धालु- सावन के तीसरे सोमवार को पचमढ़ी की प्रसिद्ध नागद्वारी धार्मिक यात्रा पूरी करने के बाद श्रद्धालुओं का सैलाब चौरागढ़ मंदिर पहुंचा। हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान भोले शंकर के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। रिमझिम बारिश और खुशनुमा मौसम के बीच चौरागढ़ का शिव मंदिर बादलों की गोद में नजर आया। ‘बम-बम भोले’ के उद्घोष के साथ श्रद्धालुओं ने मंदिर तक पहुंचने के लिए 1300 से अधिक खड़ी सीढ़ियां चढ़ीं।

मंदसौर में पशुपतिनाथ की रजत प्रतिमा पालकी में निकली- मंदसौर में भगवान पशुपतिनाथ रजत प्रतिमा के रूप में पालकी में सवार होकर श्रद्धालुओं को दर्शन दे रहे हैं। सावन सोमवार की सवारी में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। यहां क्रेन पर तैयार शिव-पार्वती की जोड़ी भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। समाजसेवी नाहरू खान मेव ने इसे शाही पालकी के लिए विशेष रूप से तैयार कराया गया।

नागलवाड़ी में भिलट देव का 101 लीटर दूध से अभिषेक- सेंधवा के नागलवाड़ी शिखरधाम में नागपंचमी पर भिलट देव का 101 लीटर दूध से अभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान को 108 व्यंजनों का भोग लगाया गया। नागलवाड़ी शिखरधाम में दो लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

कांग्रेस नेता ने एसपी ऑफिस में जहर खाकर किया सुसाइड

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ग्वालियर, एजेंसी। एसपी ऑफिस परिसर में सोमवार को कांग्रेस नेता राजेश किरार ने जहरीला पदार्थ खा लिया। पुलिसकर्मी उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस को कथित तौर पर एक सुसाइड नोट भी मिला है। मामले की जांच जारी है।

जानकारी अनुसार ग्वालियर के लक्ष्मीगंज निवासी राजेश किरार सोमवार को एसपी ऑफिस पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि वह किसी मामले को लेकर परेशान थे। इसी दौरान उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने तत्काल राजेश को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

राजेश किरार किसान कांग्रेस में जिला महामंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके थे। कांग्रेस के पूर्व जिला संगठन मंत्री नरेंद्र सिंह के मुताबिक, राजेश पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता थे और करीब 25 वर्षों से राजनीति से जुड़े हुए थे। राजेश लक्ष्मीगंज इलाके में रहते थे और सब्जी मंडी में आढ़त का काम भी करते थे। कांग्रेस नेता नरेंद्र सिंह के अनुसार, राजेश किरार पिछले कुछ समय से पैसों के लेनदेन से जुड़े एक मामले को लेकर परेशान थे। इसी सिलसिले में वह एसपी ऑफिस पहुंचे थे, जहां उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया।

रेस्टोरेंट में युवती की हत्या, चाकू मारे

जबलपुर, एजेंसी। महफिल रेस्टोरेंट में साथी युवक ने युवती मुस्कान चौधरी को चाकू मार दिया। 2 सेकंड में मुस्कान के पेट में 4 बार चाकू घोंपे। इसके बाद खून से लहूलुहान चाकू लेकर मौके पर खड़ा रहा। मुस्कान बचाओ-बचाओ बोलकर चीखती-चिल्लाती रही। चाकू लगने के बाद किचन में ही बेहोश होकर गिर गई। जानकारी के मुताबिक, वारदात 14 अगस्त रात 8 बजे की है। सोमवार शाम को चाकू मारने का वीडियो सामने आया। कुछ देर बाद रेस्टोरेंट के दूसरे कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मुस्कान को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद पवन मौके से फरार हो गया था।

तिरंगा यात्रा में तीन नेता जीप से गिरे

देवास, एजेंसी। जिले के कांटाफोड़ में रविवार को कांग्रेस की किसान तिरंगा यात्रा के दौरान एक हादसा हो गया। नगर भ्रमण के दौरान नेताओं से भरी खुली जीप से तीन नेता संतुलन खोकर सड़क पर गिर गए। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर शेयर हो रहा है। सोमवार को महिला पार्षद को इलाज के लिए इंदौर ले जाया गया है। जीप में पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, देवास जिलाध्यक्ष मनीष चौधरी, इंदौर जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े, मनोज राजानी और बागली विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी गोपाल गोखले सहित 10 से अधिक वरिष्ठ कांग्रेस नेता सवार थे। जीप के बोनट पर भी एक कार्यकर्ता बैठा हुआ था। थाने के पास जीप की गति में अचानक बदलाव होने से पीछे खड़े नेता अपना संतुलन नहीं संभाल पाए।

संपादकीय

कावेरी नदी जल विवाद: तमिलनाडु की मांग और सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कावेरी नदी के पानी के मुद्दे पर तमिलनाडु की थलपति विजय सरकार को मौखिक रूप से सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कहा कि ऐसा लगता है कि तमिलनाडु को कावेरी नदी से उसके तय हिस्से से ज्यादा पानी मिल रहा है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने राज्यों के बीच पानी के बंटवारे की स्थिति की जांच करने के लिए मामले की सुनवाई अगले हफ्ते तक के लिए टाल दी। इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने मौखिक रूप से सी जोसेफ विजय सरकार से कहा कि तमिलनाडु को तय हिस्से से ज्यादा कावेरी नदी का पानी मिल रहा है। पीठ ने यह बात तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई के दौरान कही, जिसमें कावेरी के पानी में अपने हिस्से को तुरंत जारी करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। तमिलनाडु सरकार का आरोप है कि बारिश की कमी वाले साल के बावजूद उसे कर्नाटक से अपना तय हिस्सा नहीं मिल रहा है। 9.720 के बजाय, अगर आप कुल मात्रा को जोड़ें, तो आपके पास पहले से ही उससे ज्यादा पानी है। इससे पहले भी कर्नाटक ने काफी ज्यादा पानी छोड़ा है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सोमवार को कहा कि कर्नाटक सरकार ने पहले ही बहुत ज्यादा पानी छोड़ा था। बेंच ने मौखिक रूप से कहा, '...अगर आप कुल मात्रा को जोड़ें, तो आपके (तमिलनाडु) के पास पहले से ही उससे ज्यादा पानी है।' कर्नाटक सरकार मिलनाडु को पानी छोड़ने के लिए कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण यानी CWMA के निर्देशों का पालन करना जारी रखे। तमिलनाडु सरकार के अनुसार, कावेरी जल विनियमन समिति (CWRC) द्वारा छोड़े जाने के लिए सुझाई गई मात्रा और कर्नाटक द्वारा असल में सप्लाई की गई मात्रा, दोनों ही उसकी जरूरतों से बहुत कम हैं। राज्य के वकील ने कहा कि राज्य सिंचाई के लिए कोई पानी सप्लाई नहीं कर सका। तमिलनाडु सरकार के अनुसार, कावेरी जल विनियमन समिति (CWRC) द्वारा छोड़े जाने के लिए सुझाई गई मात्रा और कर्नाटक द्वारा वास्तव में सप्लाई की गई मात्रा दोनों ही राज्य की जरूरतों से बहुत कम हैं। राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने कहा कि सिंचाई के लिए कोई भी पानी उपलब्ध नहीं कराया जा सका।

Health is Wealth

जापानी लोगों को पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा फिट माना जाता है। अपनी फिटनेस का ख्याल रखने के लिए वह छोटी-छोटी आदतों को अपनाते हैं। यहां हम उनकी एक ऐसी आदतों को शेयर कर रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप भी खुद से बीमारियों को दूर रख सकती हैं।

एक आदत अपनाकर वायरल बीमारियां हो जाएंगी दूर, जापानी लोग रोजाना करते हैं फॉलो

फिटनेस के मामले जापानी लोगों नंबर वन पर रहते हैं। जापानी न सिर्फ लंबी उम्र जीते हैं, बल्कि बढ़ती उम्र में भी एक्टिव और एनर्जेटिक बने रहते हैं। इसके लिए वह कुछ अलग से नहीं करते। उनकी लाइफस्टाइल में वह कुछ ऐसी चीजें रोजाना करते हैं जो उन्हें बीमारियों से दूर रखती हैं। दूसरे देशों के मुकाबले जापान में वायरल इंफेक्शन के मामले भी काफी कम होते हैं। यहां जापानियों की एक आदत के बारे में बता रहे हैं जिसे अपनाकर आप भी बीमारियों से खुद को दूर रख सकते हैं।

● बीमारियों से बचने के लिए जापानियों की आदत

बाहर से आने के बाद जैसे हाथ धोना एक बेसिक आदत है वैसे ही जापान में बचपन से ही कुल्ला करने और गरारे करना सिखाया जाता है। घर, स्कूल और ऑफिस तक में इसके लिए कप तैयार रखे जाते हैं। बीमारियों को खुद से दूर रखने के लिए ये एक बहुत अच्छी आदत है। दरअसल बहुत से रेस्पिरेटरी वायरस सीधा फेफड़ों में नहीं पनपते बल्कि ये मुंह, गले या फिर नाक के जरिए लंग्स में पहुंचते हैं और किसी भी सेल को इंफेक्ट करने से पहले ये सतह पर बैठते हैं। ऐसे में जब आप कुल्ला करते हैं तो ये वायरस बाहर निकल सकते हैं जिसकी वायरल का खतरा कम रहता है। इसके लिए नमक का पानी बेहतरीन साबित हो सकता है, क्योंकि ये जर्म्स को बढ़ने से रोक सकता है।

● कैसे करें कुल्ला और गरारे

इसके लिए एक चम्मच नमक के एक कप पानी में अच्छी तरह से मिलाएं। फिर कुल्ला करने के लिए पानी पिएं। इसे 30 सेकेंड के लिए दोनों मुंह के दोनों तरफ घुमाएं। गरारे करने के लिए गर्दन पीछे करें और फिर 30 सेकेंड के लिए गले से हवा छोड़ें। फिर पानी बाहर निकाल दें।

● कब करें कुल्ला?

जापानी लोग काम से घर लौटने के बाद, पब्लिक ट्रांसपोर्ट इस्तेमाल करने के बाद, खाने के बाद और

बीमारी का पहला साइन दिखने के बाद ही कुल्ला करते हैं। हालांकि ये बीमारी से बचाव का तरीका है, किसी बीमारी का इलाज नहीं है।

● क्या कहती है स्टडीज

कुछ रिपोर्ट्स कहती है जापानियों की इस आदत की वजह से वहां सर्दी-जुकाम के मामले दूसरे देश के मुताबिक कम हैं। अगर कोई व्यक्ति वायरल की चपेट में भी आता है तो रिकवरी 2 से 3 दिन में हो जाती है। भले ही ये आदत छोटी है लेकिन इसका असर बहुत बड़ा होता है।

● किस उम्र से सिखाएं ये आदत?

बच्चों को कुछ भी नया सिखाने के लिए उस आदत को मजेदार बनाना बहुत जरूरी है। इसलिए खेल-खेल में आपको बच्चों को गरारे करना या कुल्ला करना सिखाना होगा। आप बच्चों के साथ खुद भी करें। कलरफुल कप्स मददगार साबित हो सकते हैं। शुरुआत में हो सकता है बच्चा आसानी से इसे ना सीखें लेकिन आदत बनवाने के लिए रोजाना इसकी प्रेक्टिस करवाएं।

New Delhi

BJP अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान, राम माधव, स्मृति ईरानी की एंट्री, वसुंधरा को अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली, (एजेंसी) बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान हो गया है. नितिन नवीन की इस नई टीम में राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है. इसके अलावा राम माधव की भी बीजेपी वापसी हुई है, उन्हें भी उपाध्यक्ष बनाया गया है.

पूर्वी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी बीजेपी संगठन में आई हैं. उन्हें राष्ट्रीय महामंत्री बनाया है. उत्तराखंड के पूर्व सीएम तीरथ सिंह रावत को भी बीजेपी उपाध्यक्ष बनाया गया है. ओडिशा के बैजयंत जय पांडा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है.

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक्स पर एक पोस्ट

में कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं. अनुभव और ऊर्जा से समृद्ध यह टीम आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में संगठन को नई गति प्रदान करेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि टीम के सभी सदस्य, कार्यकर्ता भाव से संगठन को और अधिक सशक्त बनाते हुए 'विकसित भारत' के संकल्प और राष्ट्रसेवा के ध्येय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे.

विनोद तावड़े और सुनील बंसल राष्ट्रीय महासचिव बने रहेंगे, जबकि बीएल संतोष राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) के पद पर बने रहेंगे. अनिल एंटनी को राष्ट्रीय सचिव के पद पर बनाए रखा गया है, जबकि अनिल बलूनी राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया से जुड़ी अहम भूमिका निभाते रहेंगे. 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्षों में से पांच महिलाएं हैं, लेकिन आठ राष्ट्रीय महासचिवों में स्मृति ईरानी अकेली महिला हैं.

New Delhi

बहन की हत्या, फिर सूटकेस में भरकर फेंका शव... ऐसे पकड़ा गया हत्यारा भाई

दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली के बुराड़ी इलाके में सूटकेस के अंदर युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई. पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए मृतका के चचेरे भाई अविनाश को हिरासत में लिया है. पुलिस के मुताबिक आरोपी ने प्रेम प्रसंग के शक में अपनी बहन की हत्या की और शव को सूटकेस में बंद कर सुनसान जगह पर फेंक दिया. मामला उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी थाना क्षेत्र के अजीत विहार का है.

बताया जा रहा है कि गली नंबर-1 के पास एक डार्क स्पॉट पर पुलिस को सूटकेस मिला. इसके अंदर युवती का शव बरामद हुआ. घटना की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस ने जांच शुरू की. पुलिस के मुताबिक इस हत्याकांड का खुलासा उस वक्त हुआ, जब आउटर नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ की टीम नाइट चेकिंग कर रही थी. इसी दौरान एक युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं. पुलिसकर्मियों ने उसे रोककर पूछताछ की. पूछताछ के दौरान युवक ने कथित तौर पर अपनी बहन की हत्या करने की बात कबूल कर ली.

इसके बाद पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर उसकी निशानदेही पर बुराड़ी के अजीत विहार पहुंची. वहां एक सुनसान जगह से सूटकेस बरामद किया गया. सूटकेस खोलने पर उसके अंदर युवती का शव मिला. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी को अपनी चचेरी बहन के प्रेम प्रसंग का शक था.

Bihar

पूर्णिया का जफर निकला बड़ा आतंकी, जैश-ए-मुहम्मद के लिए करता था काम; एटीएस ने मेरठ से दबोचा

पटना, (एजेंसी) बिहार के पूर्णिया निवासी मो. जफर को मेरठ से गिरफ्तार किया गया है। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने पाकिस्तान के लिए फंडिंग करने के आरोप में उसे अरेस्ट किया है। जफर आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद के लिए काम करता था। रविवार को पकड़े गए जफर से शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई मदरसों में उसका नेटवर्क चलता है। सुरक्षा एजेंसी उसके इंटरनेशनल नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है। आरोपी ने क्रिप्टो करेंसी में रकम पाकिस्तान के नंबर पर ट्रांसफर की थी। जिहाद के लिए मदरसों से चंदे के तौर पर जुटाई गई रकम को लेकर और गहनता से पड़ताल की जा रही है। एटीएस ने आरोपी जफर को सोमवार को लखनऊ स्थित विशेष कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस गिरफ्तारी को एटीएस की बड़ी सफलता के रूप में देखा गया है। माना जा रहा है कि कई नई जानकारियां मिली हैं जिनकी लीड पर एटीएस आगे काम कर रही है। एटीएस के अनुसार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक संदिग्ध के सक्रिय होने और मदरसे के नाम पर चंदा लेकर पाकिस्तान भेजे जाने की गोपनीय सूचना पर छानबीन शुरू की गई थी।

Uttarpradesh

राम मंदिर दान चोरीः चंपत राय के साथ अनिल मिश्रा को भी क्लीन चिट, सबसे ज्यादा लगे थे आरोप

लखनऊ, (एजेंसी) राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सबसे ज्यादा आरोपों में घिरे रहे ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय के साथ ही ट्रस्टी अनिल मिश्रा को एसआईटी की क्लीन चिट मिल गई है। एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट में दोनों का नाम नहीं है। शासन को सौंपी गई यह रिपोर्ट अब आगे की कार्यवाही के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को दी गई है। सूत्रों का कहना है कि फाइनल रिपोर्ट में केवल आठ लोगों का ही नाम है जिन्हें पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। चोरी का मामला सामने आने के बाद सबसे ज्यादा आरोप चंपत राय और अनिल मिश्रा पर ही लगे थे। इसके बाद ही दोनों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में गठित दूसरी एसआईटी अभी मामले की जांच कर रही है। राम मंदिर में दान चोरी का मामला सबसे पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सात जून को उठाया था। इसके जवाब में चंपत राय ने वीडियो शेयर कर आरोपों को गलत बता दिया था। इसके बाद भी अखिलेश के हमले जारी रहे। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह जमीन घोटालों को लेकर पहले से चंपत राय पर हमलावर रहे। लगातार बढ़ते दबाव के बाद श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मांग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 13 जून को एसआईटी का गठन किया गया था।

खेल

पीवी सिंधु की धांसू जीत

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में धमाकेदार जीत, सिर्फ 29 मिनट में विरोधी को चटाई धूल

नई दिल्ली, (एजेंसी) पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में सोमवार को आयरलैंड की सोफिया नोबल के खिलाफ 21-7, 21-11 से जीत हासिल करते हुए विमेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई। अब भारतीय खिलाड़ी का सामना राउंड ऑफ 32 में कनाडा की दुनिया की 49वें नंबर की खिलाड़ी वेन यू झांग से होगा।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में वर्ल्ड नंबर 9 खिलाड़ी के सामने, वर्ल्ड रैंकिंग में 141वें स्थान पर मौजूद आयरिश खिलाड़ी लगभग तुरंत ही दबाव में आ गईं। सिंधु ने मैच की शुरुआत में ही तेजी दिखाई और नोबल के खेल में जमने से पहले ही 8-0 की बढ़त बना ली। दोनों खिलाड़ियों के अनुभव में अंतर साफतौर पर नजर आ रहा था। साल 2019 में बेसल में वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने वाली 31 साल की सिंधु ने रैलियों पर नियंत्रण रखा और 21 साल की आयरिश खिलाड़ी को

कोई भी लगातार लय हासिल नहीं करने दी।

नोबल ने आखिरकार अपना खाता खोला, लेकिन शुरुआती बढ़त ने पहले गेम पर सिंधु की पकड़ मजबूत कर दी थी और भारतीय खिलाड़ी ने इसे 21-7 से जीत लिया। नोबल दूसरे गेम में ज्यादा संयम के साथ लौटीं और पहले हाफ में सिंधु के करीब बनी रहीं। इंटरवल तक वह भारतीय खिलाड़ी से सिर्फ तीन अंक पीछे थीं, जिससे संकेत मिल रहा था कि मुकाबला और कड़ा हो सकता है। हालांकि, सिंधु ने जल्द ही खेल पर फिर से अपना दबदबा बना लिया। इंटरवल के बाद भारतीय खिलाड़ी ने अपनी गति बढ़ाई और अगले 13 में से 10 अंक जीतकर निर्णायक बढ़त बना ली, जिससे नोबल के लिए मैच में वापसी का कोई रास्ता नहीं बचा। 2016 ओलंपिक में सिल्वर और 2020 ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली 31 साल की भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा गेम आसानी से 21-11 से जीतकर अपने 10वें वर्ल्ड चैंपियनशिप अभियान की शानदार शुरुआत की।

सिनेमा

करोड़ों के कर्ज में रहे सनी देओल, गदर 2 की सक्सेस ने बदली थी किस्मत, बोले- मैं खुश रहा

सनी देओल की गिनती बॉलीवुड के मेगा-स्टार्स में होती है. उनकी पिछली आई फिल्में लगातार बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया प्रदर्शन कर रही थीं. लेकिन लेटेस्ट रिलीज बंटवारा 1947 वैसा कारनामा फिर से नहीं कर पा रही. हालांकि फिल्म को जो भी देखकर बाहर निकल रहा है, वो सिर्फ तारीफ ही कर रहा है. हाल ही में सनी देओल ने अपने कमबैक पर खुलकर बात भी की. गदर 2 से उन्हें वापस वही प्यार मिल रहा है, जैसा उन्हें सालों पहले मिला करता था. बीच में उन्हें करियर में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था. उनकी फिल्में ज्यादा नहीं चल रही थीं. इसी दौरान उन्हें करोड़ों रुपयों के कर्ज से भी गुजरना पड़ा.

न्यूज बुक चैनल पर सनी देओल ने कहा कि साल 2001 में गदर और इंडियन जैसी फिल्में करने के बाद, उन्हें ज्यादा काम नहीं मिला. दोनों ही फिल्में कमर्शियल सक्सेस साबित हुई थीं. मगर इंडस्ट्री में आए बदलाव की वजह से वो साइडलाइन हो गए. उनके पास सही सब्जेक्ट और फिल्ममेकर्स नहीं आए. फिर उसी बीच उन्हें अपनी एक फिल्म जो बोले सोनिहाल की वजह से कॉन्ट्रोवर्सी का सामना करना पड़ा. इन कारणों से सनी ने एक भारी सेटबैक देखा.

Highlights

1. Who is Hemang Joshi, BJP's new BJYM chief replacing Tejasvi Surya?
2. We became unemployed in instant: Student who cleared JSSC-CGL as Soren cancels exam
3. PhD scholar caught on CCTV slapping Delhi University professor, banned from campus
4. BEST workers to begin indefinite hunger strike in Mumbai today
5. TN CM Vijay apologises after minister names ex-CM Karunanidhi without title
6. Govt sent 1 blocking order to social media firms every minute between March & July: Report

Vulcan understands the language of money: Harshil Mathur on Razorpay's AI push

NEW DELHI, (Agency). Even as India's digital payments infrastructure handles close to 23 billion UPI transactions and around 590 million credit card payments every month, Indian payments company Razorpay believes artificial intelligence (AI) can be useful to plug persistent gaps. They have developed Razorpay Vulcan, India's first payments foundation model, in partnership with Nvidia and AWS. Early results with platforms including Blinkit, have been promising. "In the early data testing with more than 1.5 million transactions across more than 50,000 merchants, we have seen a massive lift in various perimeters. There has been an 8 to 10% improvement in payment success rates, and a 5x reduction in fraud, which those transactions blocked," Harshil Mathur, CEO & founder of Razorpay, tells HT.

The Transformer architecture, designed by Google researchers in 2017, is a deep learning framework that processes sequential data in parallel using a self-attention mechanism. Unlike older sequential architectures that process step-by-step, this architecture evaluates connections between all tokens in a sequence simultaneously. Some large language models (LLMs) are built using this, but not all.

For the Vulcan, Razorpay has utilised Nvidia's silicon clusters, and Mathur confirm to HT that this mostly includes the top-end H100 GPUs. AWS provided the scalable cloud infrastructure as well as architectural guidance that allowed the model to reliably handle enterprise transaction volumes.

Training the model on 3 trillion data points collected across 4 billion digital payments, doesn't simply underline Razorpay's advantage, but requires significant compute power as well.

In response to the question of why they developed a model from scratch, Mathur points out that they had only large language models to choose from among the open-source options. They excel at conversational tasks including coding, but they cannot model payment behaviour or transaction graphs. "There was no pre-existing foundational model for Indian payments that we could fine-tune," he says.

The Indian payment gateway and processing market is fiercely competitive, where Razorpay finds competition from PhonePe PG, PayU, Pine Labs, Cashfree, and Juspay. Traditionally, competition in this space has been about pricing, checkout speeds, and merchant onboarding efficiency. Razorpay's play with a proprietary foundation model, is a significant shift.

Razorpay details that privacy is one reason they avoided any third-party models. "We are compliant with RBI data localisation norms and the Digital Personal Data Protection (DPDP) Act," Mathur says. Before any data reaches Vulcan, all personally identifiable information is removed from transaction details—this is true for individual as well as merchant data. Secondly, Vulcan is hosted and executed entirely within Razorpay's private infrastructure located in India.

There were two main reasons to build a proprietary model for digital payments. First, payments data behaves fundamentally differently from natural language and no public datasets are available at this scale. Secondly, India's dynamic landscape has over 100 payment instruments, nuanced regulatory workflows (such as dynamic OTPs and tokenisation), and distinct behavioural variations across Tier 1, Tier 2, and Tier 3 demographics. Mathur explains that the Razorpay Vulcan is proprietary, with training data including 3 trillion metrics from 4 billion payments, across Razorpay's infrastructure. Better routing should help solve real-world problems, including OTPs or one-time passwords that arrive after a delay, whereas the security layer will prevent compromised payments not just for users, but also merchants.

1980 में वैराग्य अपना चुकी थी ननद...

दहेज केस में साध्वी को बनाया आरोपी, कोर्ट ने आदेश पलटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। दहेज प्रताड़ना का एक ऐसा मामला सामने आया, जिसमें विवाह के करीब चार दशक पहले सांसारिक जीवन छोड़कर साध्वी बन चुकी महिला को भी आरोपी बना दिया गया।

खास बात यह रही कि साध्वी का परिवार से लंबे समय से कोई संपर्क नहीं था और वह शिकायतकर्ता महिला की शादी में भी शामिल नहीं हुई थी। इसके बावजूद एरोड्रम पुलिस ने उसे दहेज प्रताड़ना के मामले में आरोपी बनाते हुए चालान पेश कर दिया। मामला कोर्ट पहुंचा तो 13 अगस्त को अपर सत्र न्यायालय ने निचली कोर्ट द्वारा साध्वी समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ तय किए गए आरोपों को निरस्त कर दिया। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई ठोस प्रमाण नहीं है, जिससे यह साबित हो कि साध्वी, जेठ या जेठानी ने शिकायतकर्ता को दहेज के लिए कब, कैसे और कहां प्रताड़ित किया। मामले के अनुसार महिला ने एरोड्रम थाने में दहेज प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में पति के राजस्थान में रहने वाले भाई-भाभी और उसकी बहन को भी आरोपी बनाया गया। परिवार की ओर से पुलिस को यह जानकारी दिए जाने का दावा किया गया कि इन रिश्तेदारों का शिकायतकर्ता से कोई संपर्क नहीं रहा है। इसके बावजूद पुलिस ने मामले में जांच आगे बढ़ाते हुए आरोपियों के खिलाफ चालान कोर्ट में पेश कर दिया। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी की कोर्ट ने भी चालान के आधार पर आरोप तय कर दिए। मामले में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य पति की

बहन से जुड़ा था।

बचाव पक्ष की ओर से एडवोकेट महेंद्र मौर्य ने अपर सत्र न्यायालय में रिवीजन पेश करते हुए बताया कि संबंधित महिला ने वर्ष 1980 में बाल साध्वी के रूप में सांसारिक जीवन छोड़ दिया था। वैराग्य लेने के बाद वह अपने परिवार के संपर्क में नहीं रही। वह न तो शिकायतकर्ता की शादी में शामिल हुई और न ही उसके बाद परिवार के साथ उसका कोई संपर्क रहा। ऐसे में उसके खिलाफ दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाए जाने पर सवाल उठाए गए। बचाव पक्ष ने कोर्ट को बताया कि शिकायत में आरोपी बनाए गए जेठ और जेठानी भी राजस्थान में रहते हैं और वे शिकायतकर्ता की शादी में शामिल नहीं हुए थे। इसके बावजूद उन्हें भी दहेज प्रताड़ना के आरोपों में आरोपी बना दिया गया। एडवोकेट की ओर से तर्क दिया गया कि पुलिस ने आरोपों की वास्तविकता और आरोपियों की भूमिका की पर्याप्त जांच किए बिना ही शिकायत के आधार पर कार्रवाई की। अपर सत्र न्यायाधीश मनीष लोवंशी की कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने रिकॉर्ड का परीक्षण करने के बाद पाया कि साध्वी, जेठ और जेठानी द्वारा शिकायतकर्ता को दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने से संबंधित कोई ठोस प्रमाण सामने नहीं आया है। कोर्ट ने माना कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता को कब, कैसे और कहां दहेज के लिए प्रताड़ित किया, इसका स्पष्ट आधार रिकॉर्ड पर नहीं है। ऐसे में उनके खिलाफ आरोप तय करने में निचली कोर्ट से त्रुटि हुई। अपर सत्र न्यायालय ने निचली कोर्ट द्वारा साध्वी और अन्य परिजनों के खिलाफ तय किए गए आरोपों को निरस्त कर दिया। इस फैसले के बाद मामला एक बार फिर चर्चा में है कि दहेज जैसे गंभीर मामलों में शिकायत मिलने के बाद पुलिस को आरोपियों की वास्तविक भूमिका और उनके संपर्क की स्थिति की जांच कितनी गंभीरता से करनी चाहिए।

स्कूटी सवार को रौंदा

●सड़क पर 20 फीट दूर गिरे चिथड़े

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सोमवार को एक एक्टिवा सवार को ट्रक ने रौंद दिया। घटना शाम करीब 5 बजे की है। हादसा इतना वीभत्स था कि शरीर के टुकड़े 20 फीट दूर तक बिखर गए। घटना ट्रेंचिंग ग्रांउड के यहां की है। यहां सिगापुर

टाउनशिप निवासी कांशीराम दोहरे (55) को पीछे से आ रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी। वे सड़क पर जा गिरे। तभी ट्रक का पिछला पहिया उनके ऊपर से गुजर गया। उनके सिर के चिथड़े बिखर गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। यहां हादसे के बाद लोगों ने ट्रक को रोक लिया। वही ड्राइवर मौके से फरार हो गया। खुडैल पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक- युवक अपने रिश्तेदारों से मिलने गया था। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को एक संस्था से जुड़े युवक जेयू जोशी और अन्य लोगों ने उठाकर पोस्टमार्टम के लिए एमवाय भेजा है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। कांशीराम सिलाई का काम करने के साथ गार्ड की नौकरी भी करते थे। उनके परिवार में एक बेटा और दो बेटी है। सभी की शादी हो चुकी है।

चार पिस्टल, रिवॉल्वर और कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। तेजाजी नगर पुलिस ने पिस्टल, रिवॉल्वर और कारतूस के साथ महू निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से चार पिस्टल/रिवॉल्वर और चार कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर हथियारों की खरीद-फरोख्त और उन्हें आगे पहुंचाने वाले नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। डीसीपी नरेंद्र रावत की टीम ने महू के शांति नगर निवासी मिथलेश लश्करी को नायता मुंडला क्षेत्र से पकड़ा। पुलिस के मुताबिक आरोपी बाइक से इलाके में आया था। तलाशी के दौरान उसके पास से हथियार और कारतूस मिले। पुलिस ने उसकी बाइक भी बरामद कर ली है। पूछताछ में मिथलेश ने पुलिस को बताया कि वह करीब डेढ़ लाख रुपए में हथियार धार के धामनोद से लेकर आया था। अब पुलिस यह पता लगा रही है कि वह हथियार किसे देने जा रहा था और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। पुलिस को आशंका है कि मिथलेश कमीशन लेकर हथियारों की डिलीवरी करता है। हालांकि, शुरुआती पूछताछ में उसने किसी अन्य व्यक्ति के नाम का खुलासा नहीं किया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक